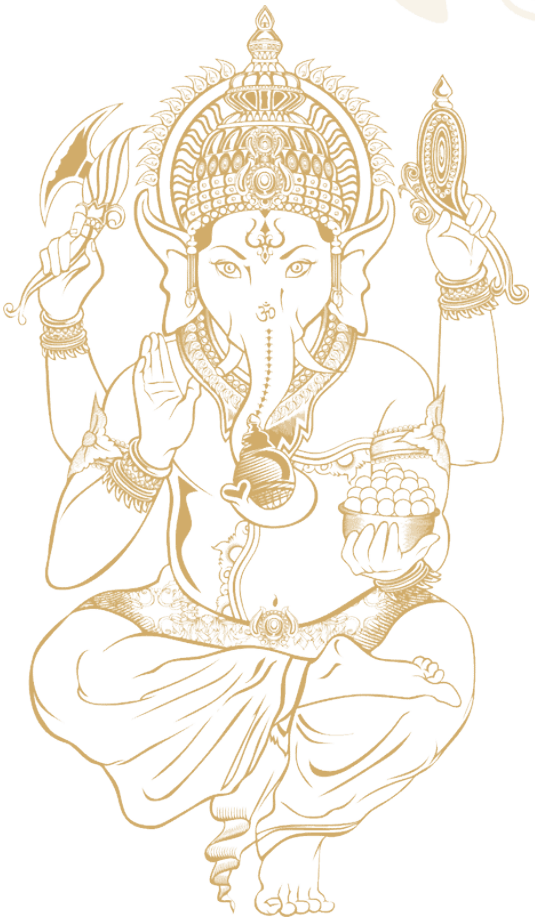

Mr.

02 Jul 2025

06:20 PM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121691805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/07/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:20:00 घंटे**
इष्ट	32:11:04 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:59:12 घंटे
वेलान्तर	-00:04:06 घंटे
साम्पातिक काल	12:42:27 घंटे
सूर्योदय	05:27:34 घंटे
सूर्यास्त	19:21:58 घंटे
दिनमान	13:54:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	16:41:04 मिथुन
लग्न के अंश	03:06:11 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	परिघ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	03:06:11	327:32:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
सूर्य			मिथु	16:41:04	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कन्या	13:37:10	12:00:51	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	14:26:41	00:34:51	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कर्क	12:32:46	01:02:23	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
गुरु		अ	मिथु	10:57:06	00:13:39	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	03:27:55	01:05:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि			मीन	07:37:31	00:01:04	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु			कुंभ	26:51:08	00:00:04	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	26:51:08	00:00:04	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:33:58	00:02:49	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	07:57:36	00:00:05	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	08:53:40	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	17:19:53	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:51

लग्न-चलित

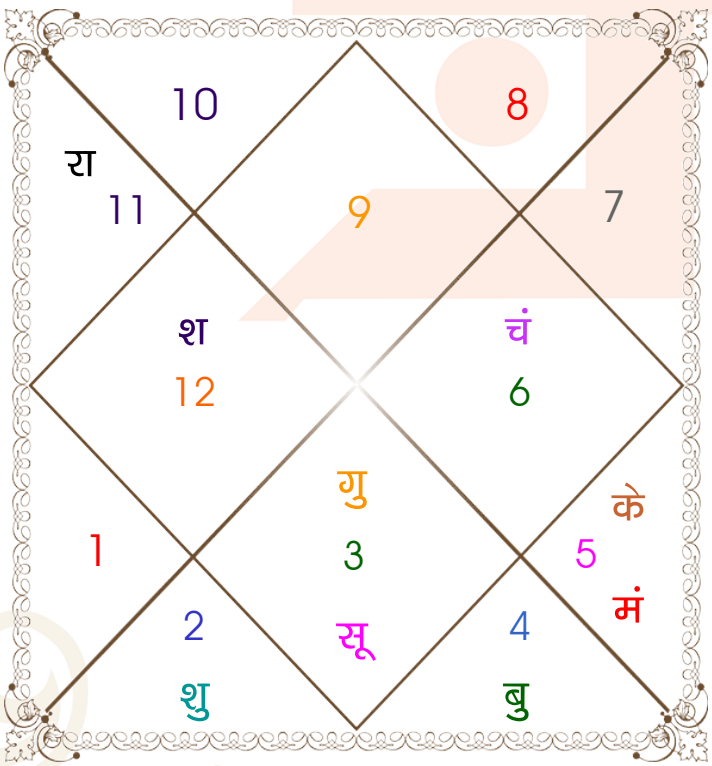

चन्द्र कुंडली

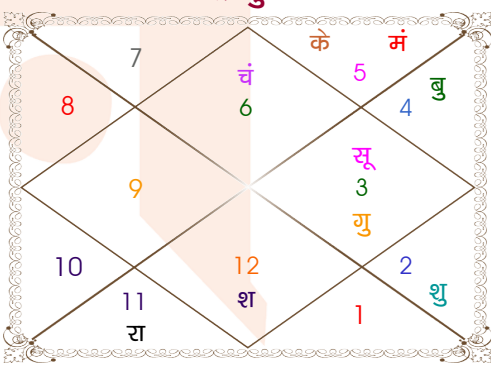

नवमांश कुंडली

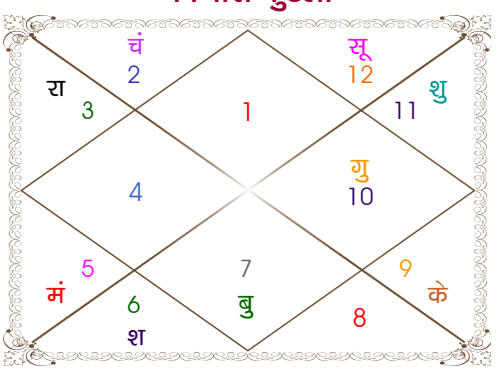

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 3 मास 12 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/07/2025		14/10/2032		15/10/2039		15/10/2057		15/10/2073	
14/10/2032		15/10/2039		15/10/2057		15/10/2073		14/10/2092	
	00/00/0000	मंगल	12/03/2033	राहु	27/06/2042	गुरु	03/12/2059	शनि	17/10/2076
	02/07/2025	राहु	31/03/2034	गुरु	20/11/2044	शनि	15/06/2062	बुध	27/06/2079
राहु	14/09/2025	गुरु	07/03/2035	शनि	27/09/2047	बुध	20/09/2064	केतु	05/08/2080
गुरु	14/01/2027	शनि	15/04/2036	बुध	15/04/2050	केतु	27/08/2065	शुक्र	06/10/2083
शनि	14/08/2028	बुध	12/04/2037	केतु	04/05/2051	शुक्र	27/04/2068	सूर्य	17/09/2084
बुध	14/01/2030	केतु	08/09/2037	शुक्र	03/05/2054	सूर्य	13/02/2069	चंद्र	18/04/2086
केतु	15/08/2030	शुक्र	08/11/2038	सूर्य	28/03/2055	चंद्र	15/06/2070	मंगल	28/05/2087
शुक्र	15/04/2032	सूर्य	16/03/2039	चंद्र	26/09/2056	मंगल	22/05/2071	राहु	03/04/2090
सूर्य	14/10/2032	चंद्र	15/10/2039	मंगल	15/10/2057	राहु	15/10/2073	गुरु	14/10/2092

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/10/2092		16/10/2109		15/10/2116		15/10/2136		16/10/2142	
16/10/2109		15/10/2116		15/10/2136		16/10/2142		00/00/0000	
बुध	13/03/2095	केतु	14/03/2110	शुक्र	15/02/2120	सूर्य	02/02/2137	चंद्र	16/08/2143
केतु	09/03/2096	शुक्र	14/05/2111	सूर्य	14/02/2121	चंद्र	03/08/2137	मंगल	16/03/2144
शुक्र	08/01/2099	सूर्य	19/09/2111	चंद्र	16/10/2122	मंगल	09/12/2137	राहु	03/07/2145
सूर्य	14/11/2099	चंद्र	19/04/2112	मंगल	16/12/2123	राहु	03/11/2138		00/00/0000
चंद्र	16/04/2101	मंगल	15/09/2112	राहु	16/12/2126	गुरु	22/08/2139		00/00/0000
मंगल	13/04/2102	राहु	03/10/2113	गुरु	16/08/2129	शनि	03/08/2140		00/00/0000
राहु	30/10/2104	गुरु	09/09/2114	शनि	15/10/2132	बुध	10/06/2141		00/00/0000
गुरु	05/02/2107	शनि	19/10/2115	बुध	16/08/2135	केतु	16/10/2141		00/00/0000
शनि	16/10/2109	बुध	15/10/2116	केतु	15/10/2136	शुक्र	16/10/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 3 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।